P-542

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-606

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. अरिष्ट योग कितने प्रकार के होते है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

2. तिथि, वार, नक्षत्र, योग एवं करण के फल के बारे में वर्णन करें।

3. भावफल विचार क्या है? द्वादश भाव फल के बारे में स्पष्ट करें।

4. सूर्यादिनवग्रहों द्वारा अरिष्ट योगों के निदान को स्पष्ट कीजिए।

5. विभिन्न आचार्यो के मतानुसार आयुविचार एवं साधन स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. बालारिष्ट योग के बारे में वर्णन कीजिए।

2. पंचांग किसे कहते हैं? संक्षिप्त रूप में वर्णन करें।

3. आचार्य वाराहमिहिरानुसार अरिष्ट विचार को स्पष्ट करें।

4. भावफल विचार के बारे में स्पष्ट करें।

5. भाव भावेश का फल क्या है? पंचमेश फल स्पष्ट करें।

6. फलदीपिका ग्रन्थानुसार द्विग्रहादि योगों का फल वर्णन करें।

7. लग्नेशकृत अरिष्ट भंग योग प्रतिपादित कीजिए।

8. आत्मकारक वृष नवांश का फल लिखें।